समस्या | पीएचई और पंचायत विभाग की लापरवाही से प्यासा राजगढ़ी टोला

भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

शहपुरा नवभारत 20 मई। मेहद्वानी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सारसडोली के राजगढ़ी टोला में पीएचई विभाग और पंचायत विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। भीषण गर्मी के दौर में ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक समस्या के समाधान को लेकर उदासीन बने हुए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार राजगढ़ी टोला में कई महीनों पहले बोर खनन कराया गया था। बोरिंग के दौरान पर्याप्त मात्रा में पानी भी निकला था, जिससे ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें पेयजल संकट से राहत मिलेगी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक बोर में मोटर नहीं डाली गई और न ही पेयजल व्यवस्था शुरू की गई।

दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाने मजबूर

गर्मी बढ़ने के साथ गांव में पानी की समस्या विकराल होती जा रही है। महिलाएं और बच्चे दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाने को मजबूर हैं। कई बार पंचायत और संबंधित अधिकारियों को समस्या बताई गई, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत विभाग और पीएचई विभाग की लापरवाही का खामियाजा पूरे गांव को भुगतना पड़ रहा है।

बड़े-बड़े दावे हो गए हवा

एक ओर शासन ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर जल पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे कर रहा है, वहीं दूसरी ओर सारसडोली पंचायत में लोग बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते मोटर स्थापित कर पेयजल व्यवस्था चालू कर दी जाती तो आज गांव के लोगों को इस भीषण गर्मी में परेशान नहीं होना पड़ता।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

विभागीय लापरवाही के कारण सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पेयजल सुविधा शुरू नहीं की गई तो वे पंचायत और पीएचई विभाग के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने और जल्द पेयजल व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है।

जंगली सुअर का मांस ले जाते 5 आरोपी पकड़ाए

▶ गश्त के दौरान वन विभाग ने की कार्यवाही

डिंडौरी, नवभारत 20 मई। वन विभाग ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से जंगली सुअर का मांस रखने और परिवहन करने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई वन परिक्षेत्र पूर्व करंजिया सामान्य के अमले द्वारा गश्त के दौरान की गई। जानकारी के अनुसार 18 मई 2026 की सुबह करीब 7:30 बजे कबीर से चौरादादर मार्ग स्थित हर्रा मुनारा के पास संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई। जांच के दौरान आरोपियों के कब्जे से मोटरसाइकिल में ले जाया जा रहा जंगली सुअर का कच्चा मांस बरामद हुआ। मौके पर वन विभाग ने पंचनामा तैयार कर मांस एवं वाहन की जप्ती की कार्रवाई की।

बरामद मांस का परीक्षण कराया जाएगा

वन विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। बरामद मांस का परीक्षण कराया जा रहा है तथा अन्य वैधानिक कार्रवाई भी नियमानुसार जारी है। वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वन्य जीवों के शिकार, तस्करी एवं अवैध व्यापार जैसी गतिविधियों की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

23 पशुओं का उपचार कर किया गया टीकाकरण

क्षीरधारा योजना के तहत बुटीमा होला में पशु चिकित्सा शिविर आयोजित

करंजिया, नवभारत 20 मई। कलेक्टर अंजू पवन भदोरिया के निर्देशानुसार एवं दिव्यांशु चौधरी के मार्गदर्शन में मंगलवार को विकासखंड करंजिया के ग्राम करंजिया माल के पोषक ग्राम बुटीमा टोला में क्षीरधारा योजना अंतर्गत पशु चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में पशुपालकों को सुपालन एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। पशुओं की नस्ल सुधार, रोगों से बचाव हेतु नियमित टीकाकरण, खली-चुनी एवं हरा चारा खिलाने सहित वैज्ञानिक पशुपालन संबंधी जानकारियां देकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के 20 प्रकरण भी तैयार किए गए। शिविर का संचालन पशुपालन विभाग के एच.पी. शुक्ला के निर्देशन में किया गया।

शिविर में 27 पशुपालकों की उपस्थिति रही

इस दौरान डॉ. पल्लवी पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारी, डॉ. राजीव कुमार सिंह, जितेन्द्र सिंह पैरावेट, संतोष प्रजापति वाहन प्रभारी-एमवीयू एवं योजना के विकासखंड प्रमुख रघुवंशी की विशेष भूमिका रही। शिविर में 27 पशुपालकों की उपस्थिति रही, वहीं लगभग 23 पशुओं का उपचार, दवा वितरण एवं टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड किसान संघ अध्यक्ष यादव जी सहित ग्रामीण भी मौजूद रहे।

अधिवक्ता सम्यक जैन की याचिका पर कार्रवाई, कई विभागों के अधिकारी रहे उपस्थित

संयुक्त जांच समिति ने की अवैध स्टोन क्रेशर की विस्तृत जांच

डिंडोरी, नवभारत 20 मई। जिले में अवैध रूप से संचालित किए जा रहे स्टोन क्रेशर और पर्यावरणीय नियमों के कथित उल्लंघन की शिकायत पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति ने संबंधित स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया। यह कार्रवाई अधिवक्ता सम्यक जैन द्वारा एनजीटी में दायर याचिका के आधार पर की गई।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम डिंडोरी, जिला खनिज अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीपीसीबी) के अधिकारी, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के प्रतिनिधि, खनन एवं भूविज्ञान विभाग के अधिकारी तथा याचिकाकर्ता अधिवक्ता सम्यक जैन मौजूद रहे।

दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच की

संयुक्त समिति ने मौके पर पहुंचकर स्टोन क्रेशर की वैधानिक स्वीकृतियों, भूमि उपयोग परिवर्तन, पर्यावरणीय अनुमति, प्रदूषण नियंत्रण उपायों, जल छिड़काव व्यवस्था, ग्रीन बेल्ट विकास तथा आसपास के खेतों और आबादी पर पड़ रहे प्रभावों का गहन निरीक्षण किया। इसके साथ ही संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की भी जांच की गई।

एनजीटी को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

संयुक्त समिति निरीक्षण के दौरान एकत्र किए गए तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर अपनी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर एनजीटी के समक्ष प्रस्तुत करेगी। रिपोर्ट के परीक्षण के बाद न्यायाधिकरण मामले में आवश्यक निर्देश जारी करेगा और आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बिना वैधानिक स्वीकृति के संचालन का आरोप

याचिका में आरोप लगाया गया है कि संबंधित स्टोन क्रेशर बिना आवश्यक अनुमतियों के संचालित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में धूल और ध्वनि प्रदूषण फैल रहा है तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही स्थानीय किसानों और ग्रामीणों के स्वास्थ्य एवं कृषि गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की शिकायत भी की गई है।

समयमान वेतनमान से वंचित कर्मचारियों में आक्रोश

▶ मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

डिंडोरी, नवभारत 20 मई। मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा डिंडोरी ने जिला प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा है कि जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत पात्र नियमित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अब तक समयमान वेतनमान का लाभ नहीं दिया गया है।

संघ के जिलाध्यक्ष प्रकाश सिंह चंदेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि संयुक्त जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक में विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए जाने के बावजूद जनजाति कार्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों में आज तक कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि अन्य संवर्ग के कर्मचारियों को समय पर समयमान वेतनमान का लाभ दिया जा चुका है, लेकिन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जो पक्षपातपूर्ण रवैये को दर्शाता है।

अधिकारियों से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन-संघ के अनुसार कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर कई बार अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन एवं मांग प्रस्तुत की गई, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार का समाधान नहीं निकला। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पात्र कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का लाभ नहीं दिया गया, तो संगठन को मजबूर होकर धरना-प्रदर्शन और आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग प्रमुखों की होगी।

दो नाबालिगों ने की थी दोस्त की हत्या, जंगल में मिला था शव

▶ हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, 15 वर्षीय किशोर रिश्तेदारों के यहां घूमने आया था

चिल्हारी नवभारत 20 मई। जिले के मानपुर में हुए 15 वर्षीय किशोर हत्याकांड का पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिस दोस्त के साथ किशोर घूमता-फिरता था, उसी ने अपने साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची। पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर दो विधि विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लेकर मामले का पर्दाफाश कर दिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक किशोर कटनी जिले के विजयराघवगढ़ क्षेत्र का रहने वाला था और कुछ दिन पहले मानपुर अपने रिश्तेदारों के यहां घूमने आया था। 14 मई की शाम वह बाजार से सामान लेकर घर पहुंचा, लेकिन कुछ देर बाद अचानक कहीं चला गया।

शव पर थे गंभीर चोट के निशान

देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। मोबाइल फोन बंद मिलने के बाद परिवार की चिंता बढ़ गई और अगले दिन थाना मानपुर में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। गुमशुदगी की जांच चल ही रही थी कि 17 मई को सगमनिहा जंगल के सिगुड़ी क्षेत्र में एक किशोर का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान लापता किशोर के रूप में हुई। शव पर गंभीर चोटों के निशान थे।

मोबाइल और दोस्ती ने खोला हत्या का राज

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य और मोबाइल कॉल डिटेल खंगालना शुरू किया। जांच में सामने आया कि घटना से पहले किशोर लगातार अपने एक दोस्त के संपर्क में था। पुलिस ने संदेह के आधार पर उस बालक से पूछताछ की। शुरुआत में वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन बाद में टूट गया और पूरी वारदात कबूल कर ली।

लड़की से बातचीत बनी हत्या की वजह

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतक उसकी दोस्त से बातचीत करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था। आरोपी ने बदला लेने के लिए अपने एक साथी के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। दोनों ने किशोर को रील और वीडियो शूट करने के बहाने जंगल बुलाया। जंगल पहुंचने के बाद आरोपियों ने किशोर से कहा कि वे किडनैपिंग सीन वाला वीडियो बनाएंगे। इसी बहाने उसके हाथ और मुंह को टेप से बांध दिया गया। जब किशोर कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आरोपियों ने चाकू से उसके गले और सीने पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बरामद किए अहम सबूत

मानपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों विधि विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में ले लिया। उनकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू, टेप, मोबाइल फोन और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। पुलिस अब मामले की अन्य पहलुओं से भी जांच कर रही है।

रंगयात्रा का दूसरा पड़ाव शुरू, दर्शकों ने सराहा रंगकर्मियों का अभिनय

संदेश नाट्य मंच के तीन दिवसीय नाट्य समारोह का शुभारंभ

नवभारत उमरिया 20 मई। नगर की ऐतिहासिक रंगमंचीय परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पूरे संभाग की एकमात्र पंजीकृत नाट्य संस्था संदेश नाट्य मंच (रंग मंडल) उमरिया द्वारा अपनी स्थापना के 30वें वर्ष की रंगयात्रा के दूसरे पड़ाव में तीन दिवसीय नाट्य समारोह का भव्य शुभारंभ किया गया।

दीप प्रज्वलन, श्रद्धांजलि और शानदार प्रस्तुतियों के बीच आयोजित इस समारोह ने उमरिया के सांस्कृतिक माहौल को जीवंत कर दिया। यह नाट्य समारोह नगर के दो राष्ट्रीय स्तर के रंगकर्मियों स्व. केशवानंद स्वामी एवं स्व. आशीष स्वामी को समर्पित है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भूतपूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पालीवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता शंभूलाल खट्टर, भाजपा उपाध्यक्ष धनुषधारी सिंह चंदेल, पूर्व भाजपा अध्यक्ष दिलीप पांडे, देवानंद स्वामी, वरिष्ठ रंगकर्मी गोपाल सरकार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

दो नाटकों का किया गया मंचन

समारोह के पहले दिन संदेश नाट्य मंच द्वारा दो नाटकों का मंचन किया गया। पहली प्रस्तुति विश्व प्रसिद्ध नाटककार एंटन चेखव द्वारा लिखित नाटक शिकारी (द सिडक्शन) की रही। यह नाटक एक रंगीले युवक और दंपत्ति के इर्द-गिर्द घूमता है, जो हास्य और मनोरंजन के साथ अंत में गंभीर संदेश भी देता है। नाटक में दिव्य प्रकाश द्विवेदी, क्षमा दुबे और विनीश तोमर के अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

भावनात्मक प्रस्तुति ने दर्शकों को किया प्रभावित

दूसरी प्रस्तुति प्रख्यात लेखक उदय प्रकाश की कहानी मौसा जी पर आधारित रही। यह नाटक एक वृद्ध व्यक्ति और जनगणना बाबू के संवादों के माध्यम से बुजुर्गों के अकेलेपन, पीड़ा और जीवन संघर्ष की मार्मिक कहानी को सामने लाता है। भावनात्मक प्रस्तुति ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया और कलाकारों

को भरपूर सराहना मिली। संस्था ने जानकारी दी कि यह नाट्य समारोह 19 मई तक चलेगा।

तुमने क्यों कहा था मैं खूबसूरत हूं नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी

समिति रीवा द्वारा तुमने क्यों कहा था मैं खूबसूरत हूं नाटक की प्रस्तुति दी जाएगी। यह प्रख्यात लेखक यशपाल की कहानी पर आधारित है, जिसकी परिकल्पना एवं संयोजन अंकित मिश्रा तथा निर्देशन गौरव सिंह राजपूत द्वारा किया गया है। वहीं 19 मई को बाज़ थिएटर सोसायटी रायगढ़ द्वारा उल्लू पंचायत का मंचन किया जाएगा। इस प्रस्तुति का मार्गदर्शन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक डॉ. योगेंद्र चौबे ने किया है, जबकि संगीत परिकल्पना एवं निर्देशन मोहन सागर द्वारा किया गया है।

माता के गर्भ में ही प्रह्लाद ने नारायण नाम का मंत्र सुना था

▶ श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भक्त प्रह्लाद प्रसंग का किया वर्णन

चिल्हारी, नवभारत 20 मई। श्रीमद् भागवत कथा धवैया ग्राम में चल रही भागवत प्रसाद राजकुमारी दुबे के निज निवास में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भक्त प्रह्लाद प्रसंग का बखान किया गया।

कथा व्यास आचार्य शंकर दत्त महाराज ने कहा कि भक्त प्रह्लाद ने माता कयाधु के गर्भ में ही नारायण नाम का मंत्र सुना था। जिसके सुनने मात्र से भक्त प्रह्लाद के कई कष्ट दूर हो गए थे। कथा का आगाज गुरु वंदना के साथ किया गया। इसके उपरांत उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की पावन लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन में दिया जाता है, वह जीवन भर उसका ही स्मरण करता है। ऐसे में बच्चों को धर्म व आध्यात्म का ज्ञान दिया जाना चाहिए।

प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है-आचार्य ने कहा कि माता-पिता की सेवा व प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। अच्छे संस्कारों के कारण ही ध्रुव जी को पांच वर्ष की आयु में भगवान का दर्शन प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 36 हजार वर्ष तक राज्य भोगने का वरदान प्राप्त हुआ था। ऐसी कई मिसालें हैं, जिससे सीख लेने की जरूरत है। कथा श्रवण करने भारी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रीय जन पहुंच रहे हैं।

अभियान | कलेक्टर ने 'सबसे दूर, सबसे पहले' जनभागीदारी सप्ताह अभियान का किया शुभारम्भ

चयनित 334 ग्रामों में लगाए जाएंगे संतृप्ति शिविर

नवभारत उमरिया 20 मई। कलेक्टर राखी सहाय ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनभागीदारी सप्ताह 'सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान का शुभारंभ किया। यह अभियान 18 से 25 मई तक जिले के चयनित 334 ग्रामों में संचालित किया जाएगा।

अभियान का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों, विशेषकर बैगा समुदाय को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और दूरस्थ क्षेत्रों तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है। यह अभियान जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार एवं संचालनालय जनजातीय रही क्षेत्रीय विकास योजनाएं भोपाल के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत चलाया जा रहा है।

योजनाओं का लाभ दिलाने प्रयास किए जाएंगे

अभियान के दौरान चयनित गांवों में संतृप्ति शिविर लगाए जाएंगे, जहां आधार कार्ड, जनधन बैंक खाता, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान सम्मान निधि, राशन कार्ड पीएम जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजना, पीएम सुरक्षित मातृत्व अभियान, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, वनाधिकार पट्टा योजना सहित विभिन्न हितग्राही योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

वीडियो और फोटो साझा करने के दिए निर्देश

कलेक्टर राखी सहाय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के तहत वृक्षारोपण, जनसुनवाई, अभिलेखीकरण एवं डीब्रीफिंग जैसी गतिविधियां भारत सरकार द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार संपादित कराई जाएं। साथ ही प्रतिदिन की गतिविधियों के वीडियो और फोटो साझा करने के निर्देश भी दिए गए।

अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रशिक्षकों ने सम्मानजनक वेतनमान की उठाई मांग

▶ कलेक्टर के माध्यम से शासन को सौंपा ज्ञापन

डिण्डौरी, नवभारत 20 मई। विगत दिवस मध्यप्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत व्यावसायिक प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों ने कलेक्टर के माध्यम से राज्य शासन को ज्ञापन सौंपकर सम्मानजनक वेतनमान और अन्य सुविधाएं लागू करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि मध्यप्रदेश राजपत्र 30 अप्रैल 2026 में व्यावसायिक प्रशिक्षक/शिक्षक को 'उच्च कुशल' श्रेणी में शामिल किया गया है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अब तक उचित वेतन और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। प्रशिक्षकों ने मांग की है कि 'उच्च कुशल' श्रेणी के अनुरूप मासिक वेतनमान 38 हजार से 42 हजार निर्धारित किया जाए तथा प्रतिवर्ष कम से कम 5 प्रतिशत वेतनवृद्धि लागू की जाए।

शासन से जल्द निर्णय लेने की मांग

ज्ञापन में तकनीकी भत्ता, ईपीएफ, ईएसआई, सवैतनिक अवकाश और कार्यस्थल दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं लागू करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। प्रशिक्षकों का कहना है कि वे प्रदेश के कौशल विकास की नींव हैं, इसलिए शासन को उनके हित में जल्द निर्णय लिया जाना आवश्यक है। ज्ञापन की प्रतिलिपि श्रम मंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री, श्रम आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय और वित्त विभाग को भी भेजी गई है।